

PAPER-III
INDIAN CULTURE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D 5 0 1 1

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

INDIAN CULTURE

भारतीय संस्कृति

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Discuss the main sources for the study of Indian Culture.

भारतीय संस्कृति के अध्ययन के प्रमुख स्रोतों का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the standard of living of the medieval Indian nobles.

मध्यकालीन भारतीय अमीरों के जीवन स्तर पर एक निबंध लिखिये ।

OR / अथवा

Examine the Gandhian concept of Hind Swaraj.

हिन्द स्वराज संबंधी गांधीवादी अवधारणा का परीक्षण कीजिए ।

2. Describe the salient features of the Gupta art.
गुप्त-कला के प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

How far the inter-religion marriage between Mughals and Rajputs could be considered as hall mark of composite culture ? Explain with examples.

मुगलों एवं राजपूतों के मध्य अन्तर्धार्मिक विवाह कहाँ तक साझा-संस्कृति के प्रमाण-चिह्न हैं ? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Evaluate Ishwar Chandra Vidyasagar's role as a traditional moderniser.

परंपरा के आधुनिकीकरणकर्ता के रूप में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये ।

SECTION – II

खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / विकल्प – I

3. Examine the main teachings of the Bhagavad – Gita.
भगवद्-गीता की मुख्य शिक्षाओं का परीक्षण कीजिए ।
4. Describe the main features of the Stupa architecture.
स्तूप-स्थापत्य के प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए ।
5. What is the significance of Purushartha in ancient Indian society ?
प्राचीन भारतीय समाज में पुरुषार्थ का क्या महत्त्व है ?

OR / अथवा

Elective – II / विकल्प – II

3. Comment on the role of guilds in the economic life of the early medieval India.
पूर्व मध्यकालीन भारत के आर्थिक जीवन में श्रेणी-समूहों की भूमिका पर टिप्पणी लिखिये ।
4. How was Sama perceived by the conservative Ulema and the liberal minded Sufis ?
अनुदारवादी उलेमा और उदार मस्तिष्क के सूफियों ने समा को कैसा अनुभव किया ?
5. Discuss briefly the development of music and dance under Sultan Zain-ul-Abidin of Kashmir.
काश्मीर के सुल्तान ज़ैन-उल-आबिदीन के अन्तर्गत संगीत एवं नृत्य के विकास की संक्षिप्त विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – III / विकल्प – III

3. Discuss the role of brokers as a social class in trade and commerce in the late pre-colonial India.
उत्तर-पूर्व औपनिवेशिक भारत में व्यापार एवं वाणिज्य में एक सामाजिक वर्ग के रूप में आढ़तिया की भूमिका की विवेचना कीजिए ।

4. Analyse the role of ideology in the emergence of Indian nationalism.
भारतीय राष्ट्रवाद के उद्भव में विचारधारा की भूमिका का विश्लेषण कीजिए ।
5. How did the British Policy of open trade affect the traditional industries of India ?
अंग्रेजों की मुक्त व्यापार की नीति ने कैसे भारत के पारंपरिक उद्योगों को प्रभावित किया ?

SECTION – III

खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Write a short note on stone sculptures of Indus Valley.
सिन्धु सभ्यता की प्रस्तर मूर्तियों पर एक लघु टिप्पणी लिखिए ।

7. Comment on the Vesara style of temples.
मन्दिरों की वेसर शैली पर टिप्पणी कीजिए ।

8. Discuss the significance of Gupta gold coins.
गुप्त स्वर्ण सिक्कों के महत्त्व का विवेचन कीजिए ।

9. What is Wilayat ?
विलायत क्या है ?

10. Highlight the significance of Dara Sheekoh's Majma-ul-Bahrain .
दारा शिकोह के मजमा-उल-बहरीन के महत्त्व पर प्रकाश डालिये ।

11. Comment on the socio-cultural significance of the Langarkhana as an institution in the Sikh Gurudwaras.

सिक्ख गुरुद्वारों की लंगरखाना संस्था की सामाजिक-धार्मिक महत्ता पर टिप्पणी कीजिए ।

12. Identify the major trends of the Dalit movement.

दलित आन्दोलन की प्रमुख प्रवृत्तियों को इंगित कीजिए ।

13. Examine Rabindranath Tagore's ideas on Swadeshi Samaj.
स्वदेशी समाज पर रबिन्द्रनाथ टैगोर के विचारों का परीक्षण कीजिए ।

SECTION – IV

खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Read the following passage and answer the questions that follow based on your understanding of the same.

During medieval times (thirteenth to seventeenth centuries) Hinduism underwent a transformation so great that it has been compared to that wrought in Western Christianity by the Reformation. The focus of religious attention moved from the great Gods and the liturgies connected with polytheism to the one God and his avatārs, especially Krishna and Rāma. A new attitude to God, emotional, passionate *bhakti*, replaced the old approaches of sacrificial rite and monistic meditation, just as a new mysticism, practical yet ecstatic, replaced the former philosophical type. Forms of religious expression changed : love-songs to the Lord were sung, and group singing created a new popular cultural form, the *kīrtan*. Pushing aside old Gods, old attitudes, old cultural forms, the new movement also drove the sacred language, Sanskrit, back into the memories of the pandits and the deepest precincts of temples and monasteries. In the first centuries of their growth all modern Indian vernacular literatures were moulded by this religious movement, and thus were essentially mass literatures. The socio-ritualistic order dominated by the Brāhmins was not overthrown, but the Brāhmins lost much of their spiritual authority, which passed to the saints and the *gurus*, whose songs and biographies soon became a new scripture. The new devotional religion, without destroying the Hindu social framework, fostered ideas of brotherhood and equality before the loving Lord, and its saints drawn from all levels of society proclaimed that in *bhakti* caste had no meaning.

निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़ें और अपनी अवधारणा के आधार पर नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर दें :

मध्य युग में (तेरहवीं से सत्रहवीं शताब्दी) हिन्दुत्व में रूपान्तरण हुआ जो इतना महत्त्वपूर्ण था कि इसकी तुलना पश्चिमी ईसाईयत के धर्मसुधार आन्दोलन से की जाती है । धार्मिक मनोयोग का केन्द्र महान देवताओं और उपासना पद्धति, जो कि बहुदेववाद से संबंधित थी, से बदल कर एक ईश्वर और विशेषतया कृष्ण तथा राम जैसे उनके अवतारों में हो गई । ईश्वर के प्रति एक नई अवधारणा उत्पन्न हुई जो कि भावनात्मक, भावप्रवण भक्ति के रूप में थी जिसने यज्ञ में बलि संबंधी कर्मकाण्ड एवं एकात्मक चिन्तन को विस्थापित किया जैसे कि नव-रहस्यवाद जो कि भावविभोर था । इसने पूर्व दार्शनिक विचारों को विस्थापित किया । धार्मिक अभिव्यक्तियों का स्वरूप बदल गया जैसे कि ईश्वर के प्रति प्रेम गीत गाये जाते थे एवं सामूहिक गीत अर्थात् कीर्तन ने एक नवीन लोकप्रिय सांस्कृतिक स्वरूप को उत्पन्न किया । पुरातन देवताओं, विचारों, सांस्कृतिक स्वरूपों को एक किनारे करते हुए नये आन्दोलन ने पवित्र भाषा संस्कृत को पुनः पंडितों, मन्दिरों तथा मठों के संज्ञान में ला दिया । अपने विकास की प्रथम शताब्दी में समस्त आधुनिक भारतीय देशी साहित्यों को इस धार्मिक आन्दोलन ने एक नवीन मोड़ प्रदान किया जिसके परिणामस्वरूप जनसाहित्य का विकास हुआ । सामाजिक कर्मकाण्डी संप्रदाय जो ब्राह्मणों के आधिपत्य में था उसे नष्ट नहीं किया गया बल्कि ब्राह्मणों ने अपना अधिकांश आध्यात्मिक प्राधिकार खो दिया और वह अब सन्तों और गुरुओं के पास चला गया जिनके गीत एवं आत्मकथायें नवीन धर्मग्रन्थ बन गये । नवीन भक्ति धर्म ने भाईचारे एवं समानता के विचारों को हिन्दु सामाजिक ढाँचे को नष्ट किये बिना प्रेमाधीन ईश्वर के समक्ष बढ़ावा दिया तथा इससे संबंधित सन्तों ने जो कि समाज के सभी स्तर से थे दावा किया कि भक्ति में जाति का कोई अर्थ नहीं था ।

15. Explain the shift in the Hindu polytheistic practice during medieval times.

मध्य युग में हिन्दु बहुदेववादी प्रथा में जो परिवर्तन हुआ उसकी व्याख्या कीजिए ।

16. How did it change the earlier attitude to God ?

ईश्वर के प्रति पूर्ववर्ती दृष्टिकोण में इसने कैसे परिवर्तन किया ?

19. Did it change the medieval Hindu Society ?
क्या इसने मध्यकालीन हिन्दू समाज को परिवर्तित किया ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date